भजन

कैसे पड़े पिया बिन चौन
विरहिन तलफत है दिन रैन

1–जो विरहा न सहे एक खिन का,सो सौ बरस कैसे जाये
बीच जुदाई मोहे नही भाये, रूह चाहे मिलूं आये रे

2–सुख घर के अब याद आये,पिया बिन कछु न सहाये
जाने कौन घड़ी वो होगी, जिस घड़ी मिटे अन्तराए रे

3–ये अन्तराए पिया मेरे टालो, मिलो परआतम उठाये
परआत्म में मिलूं प्यारे पिऊं सो, पूरन रंग रमूं आये रे